डाकरा गुरूद्वारे में सेवा देते लालचन्द शर्मा।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

डाकरा गुरूद्वारे में सेवा देने पहुंचे लालचन्द शर्मा

संवाददाता देहरादून। विश्वभर के साथ ही उत्तराखंड राज्य की राजधानी में भी कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण के चलते लॉकडाउन के कारण डाकरा स्थित गुरूद्वारे में पिछले 70 दिनों से जरूरतमंद लोगों को भोजन की व्यवस्था की जा रही है और गुरूंद्वारा प्रबंधकों का कहना है कि इस सेवा को लगातार जारी रखा जायेगा और इस दौरान महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालचन्द शर्मा भी गुरूद्वारे में सेवा देने पहुंचे। गढ़ी कैंट स्थित डाकरा में स्थित गुरूद्वारे में कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण के चलते लॉकडाउन के कारण डाकरा स्थित गुरूद्वारे में पिछले 70 दिनों से जरूरतमंद लोगों को भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

महाकाल के दीवाने संस्था ने मंदिरों को किया सैनेटाइज

संवाददाता देहरादून। लंबे समय से देशभर कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण के चलते लॉकडाउन होने के बाद आठ जून से सारे देव स्थल मंदिर आदि खुलने वाले हैं उसको देखते हुए महाकाल के दीवाने संस्था के अध्यक्ष रोशन राणा एवं सेवादार दीपक जेठी द्वारा आज मंदिरों में सेनीटाईज का कार्य फिर से शुरू किया गया है। इस अवसर पर रोशन राणा ने बताया कि गुरु राम राय दरबार साहिब झण्ड, पृथ्वीनाथ मंदिर .शनि मंदिर तिलक रोड,साईं मंदिर तिलक रोड, जगम शिवालय मंदिर पलटन बाजार, मां शाकुंभरी देवी मंदिर भंडारी चौक. आदि में सैनिटाइजेशन का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

क्वारंटाइन सेंटरों की बदहाली के लिए प्रदेश सरकार जिम्मेदारः धस्माना

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में क्वारंटाइन सेंटरों की बदहाली राज्य की राज्य सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के कारण बनी है और पहाड़ी जिलों के क्वारंटाइन सेंटरों में लगातार हो रही प्रवासियों की मौत पर कांग्रेस पार्टी फिर राज्य सरकार पर हमलावर हुई है। धस्माना ने इसके लिए सीधे मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अदूरदर्शी नीति को जिम्मेदार ठहराते हुए मांग की है कि राज्य सरकार की गलत क्वारंटाइन नीति के कारण मरने वाले हर व्यक्ति के परिवार को पांच लाख रुपया राज्य सरकार की ओर से व पांच लाख रुपया प्रधानमंत्री केयर फंड से देने की मांग की।

ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में अंजली नेगी रही प्रथम

संवाददाता डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

ग्रीन कैंपस मुहिमः एम्स निदेशक साइकिल से पहुंचे कार्यालय

संवाददाता ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश में कोरोना काल में शुरू की गई ग्रीन कैंपस मुहिम के तहत संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रोफेसर रवि कांत ने साइकिल से अपने कार्यालय पहुंचकर सामाजिक दूरी बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर एम्स प्रशासन ने संस्थान परिसर में आवागमन के लिए साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की बात कही है,जिससे एक से दूसरे व्यक्ति में उचित सामाजिक दूरी बनी रहे और हम कोविड 19 के संक्रमण से सुरक्षित रह सकें। इसके लिए संस्थान की ओर से फैकल्टी सदस्यों को 15 व सिक्योरिटी गार्ड को 5 साइकिलें उपलब्ध कराई हैं।

एम्स निदेशक पद्मश्री प्रोफेसर रवि कांत शनिवार को अपने आवास से साइकिल से कार्यालय पहुंचे। इससे उन्होंने ग्रीन कैंपस मुहिम के तहत कोरोना काल में सामाजिक दूरी बनाए रखने के साथ साथ स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। निदेशक प्रो. रवि कांत ने संस्थान के अन्य फैकल्टी मेंबर्स को भी एम्स परिसर में साइकिल का उपयोग करने को कहा है,वजह यह है कि स्कूटर तथा कार की तरह इन साइकिलों में अन्य सवारी बिठाने की व्यवस्था नहीं है जिससे एक–दूसरे व्यक्ति में आपसी सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी और इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रह सके।

आपदा प्रबंधन की दृष्टिगत युवाओं को दिया जाय प्रशिक्षण

बैठक

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक ली | लोगों को आपदा प्रबंधन के लिए जागरूक करना जरूरी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन की दृष्टिगत युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाय। ग्राम सभा में भी समय–समय पर लोगों को प्रशिक्षित किया जाए। स्कूलों में आपदा प्रबंधन से संबंधित सप्ताह में एक क्लास की व्यवस्था हो। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत लोगों को आपदा प्रबंधन के लिए जागरूक करना जरूरी है। आगजनी घटनाओं एवं वर्षाकाल के लिए लोगों को प्रशिक्षित करना जरूरी है। आपदा की चुनौतियों का सामना करने के लिए समय–समय पर मॉक ड्रिल भी कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए जो भी प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं उनको और प्रभावी बनाने के लिए विशेषज्ञों की राय ली जाए जिन शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है उनके माध्यम से सभी स्कूलों के अध्यापकों को भी ट्रेनिंग दी जाए आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत संचार तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाए।

मानसून के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूरी कर ली जाय। आपदा कि दृष्टि से संवेदनशील स्थानों का चिन्हीकरण किया जाय। आपदा रिस्पांस टाइम को कम से कम करने का प्रयास किया जाय। लोगों को कोविड 19 से बचाव के लिए विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जाय।

बैठक में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि मौसम से संबंधित सटीक जानकारियों के लिए मुक्तेश्वर एवं सुरकंडा में डॉप्लर रडार लगाने का कार्य चल रहा है। इस वर्ष 12321 युवक मंगल दल एवं 10908 युवक–युवतियों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया।

संचार तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए तहसील स्तर पर 184 सेटेलाइट फोन उपलब्ध कराए गए हैं। 2012 से अब तक 27 आपदा से संवेदनशील ग्रामों के 699 परिवारों का पुनर्वास किया गया है। गढ़वाल मंडल में 84 एवं कुमाऊं मंडल में 100 भूकंप पूर्व चेतावनी तंत्र उपकरण स्थापित किए गए हैं। गंगा नदी पर कोटेश्वर से लेकर ऋषिकेश तक 8 संवेदनशील स्थानों पर बाढ़ चेतावनी तंत्र स्थापित किए गए हैं। राज्य एवं जिला स्तर पर कार्मिकों को इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम का प्रशिक्षण दिया गया है। राज्य आपदा मोचन निधि के तहत प्रदेश के सभी जनपदों को कुल 98 करोड़ रुपए, चिकित्सा शिक्षा निदेशालय को 20 करोड़ रुपए, लोक निर्माण विभाग को 30 करोड़ रुपए, पेयजल संस्थान को 20 करोड़ रुपए एवं चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग को 16 करोड़ रुपए की धनराशि दी गई है।

रेड जोन की तरफ बढ़ रहा दून!

कोराना कहर

■ उत्तराखंड में शनिवार को 78 लोग कोरोना से हुए ठीक

देहरादून। **संवाददाता**

प्रदेश में शनिवार को दो बजे की हेल्थ बुलेटिन के अनुसार कोरोना से 78 लोग ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज किए गए, जबकि कोरोना के 31 नए मामले सामने आए हैं। इनमें अल्मोड़ा में चार, चमोली में छह, देहरादून में छह, नैनीताल में तीन, पिथौरागढ़ में आठ, टिहरी में तीन और उत्तरकाशी में एक व्यक्ति की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। प्रदेश में अभी तक कोरोना के 1248 मामले सामने आए हैं। अब तक 422 लोग अस्पताल से डिस्चार्ज भी हो चुके हैं। रेड जोन की तरफ बढ़ रहे दून में संक्रमितों की सख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन के लिए उत्तराखंड शासन ने छह मानक तय किए हैं। रेड जोन की बात करें तो तीन मानक इस श्रेणी के होने पर संबंधित क्षेत्र को रेड मान लिया जाएगा। कुल एक्टिव केस और डबलिंग रेट में दून पहले ही रेड श्रेणी में था।

अल्मोड़ा जिले में एक और कोरोना पॉजिटिव: अल्मोड़ा के ऐना गांव में एक और प्रवासी कोरोना संक्रमित पाया गया है। हरकत में आए स्वास्थ्य व प्रशासन की टीम ने निगरानी बढ़ा दी है। युवक की पत्नी, मां समेत चार लोगों को क्वारंटाइन कर लिया गया है। अब सभी के नमूने जांच को भेजे जाएंगे।

उत्तरकाशी में एक और युवक की कोरोना रिपोर्ट आई पॉजिटिव

वाररूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी जनपद में आज विकास खंड भटवाड़ी का 21 वर्षीय युवक की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। युवक 17 मई को मुंबई से उत्तरकाशी आया था। जनपद उत्तरकाशी में 23 कोरोना पॉजिटिव केस हैं। वर्तमान में 10 कोरोना पॉजिटीव केस एक्टिव है। 13 कोरोना पॉजिटीव व्यक्ति ठीक हो गए है।

पिथौरागढ़ जिले में आठ पॉजिटिव मिले

शनिवार को पिथौरागढ़ जिले में सात पॉजिटिव लोग मिले। जिले में पॉजिटिव केसों की संख्या 35 ही चुकी है। दस दिन पूर्व दिल्ली, अलवर, मुंबई, आगरा, नोएडा, गुजरात से पहुंचे सात कोरोना पॉजिटिव मिले है। ये लोग लालकुआ तक रेल से फिर बस से आए थे। सभी संस्थागत क्ध्वारंटाइन में थे। स्वास्थ्य विभाग इनके संपर्क में आए लोगो का पता लगा रहा है। जिले में अब कुल केस 35 हो गए है। 13 स्वस्थ होकर घर लौट गए है, जबकि 22 सक्रिय केस है।

उत्तराखंड को ग्रीन बोनस दे केंद्र सरकारः महेश जोशी

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव व वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेश जोशी ने कहा कि पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होने कहा कि यहाँ का आम जन मानस पर्यावरण के प्रति काफी सचेत है और वन गाड़ गदेरे धारा नोला जीव जंतु पेड़ पौधे जीवन का हिस्सा है। उन्होने कहा कि मनुष्य ने निज स्वार्थ वस पर्यावरण को काफी हानि पहुंचाई और पेड़ो की कटाई कर उसकी तस्करी की। उन्होंने कहा कि पहाड़ की महिलाओं ने जंगल बचाने को लम्बा संघर्ष किया और पेड़ों को कटने से बचाने को अपनी जान जोखिम में डाल कर तश्करो का मुकाबला किया।

चिपको मैती जैसे आंदोलन की बदौलत आज पहाड़ व यहाँ का पर्यावरण सुरक्षित है जिसको विश्व स्तर पर काफी ख्याति प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट को पर्यावरण की रक्षा को मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।